एम.एच.डी-2 : आधुनिक हिंदी-काव्य
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.-2
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी–2/टी.एम.ए/2019–20
कुल अंक : 100

1. निम्नलिखित प्रत्येक काव्यांश की लगभग 200 शब्दों में सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 12X3=36

क) रुद्ध कोष है, क्षुब्ध तोष
अंगना-अंग पर लिपटे भी
आतंक-अंक पर काँप रहे हैं।
धनी, वज्र-गर्जन से बादल!
त्रस्त नयन-मुख ढाँप रहे हैं।
जीर्ण बाहु, है शीर्ण शरीर,
तुझे बुलाता कृषक अधीर,
ऐ विप्लव के वीर!
चूस लिया है उसका 'सार,
हाड़-मात्र ही है आधार,
ऐ जीवन के पारावार!

ख) वह रहस्यमय व्यक्ति
अब तक न पायी गयी मेरी अभिव्यक्ति है,
पूर्व अवस्था वह
नि-सम्भावनाओं, निहित प्रभाओं, प्रतिभाव की
मेरे परिपूर्ण का आविर्भाव,
हृदय में रिस रहे ज्ञान का तनाव वह,
आत्मा की प्रतिमा।

किन्तु वह फटे हुए वस्त्र क्यों पहने है?
उसका स्वर्ण-वर्ण मुख मैला क्यों?
वक्ष पर इतना बड़ा घाव कैसे हो गया?
उसने कारावास-दुःख झेला क्यों?
उसकी इतनी भयानक स्थिति क्यों है?
रोटी उसे कौन पहुँचाता है?
कौन पानी देता है ?
फिर भी, उसके मुख पर स्मित क्यों हैं?
प्रचण्ड शक्तिमान क्यों दिखायी देता है?

ग) मित्रो –
दो ही
रास्ते हैं :
दुर्नीति पर चलें
नीति पर बहस
बनाये रखें

दुराचरण करें
सदाचार की
चर्चा चलाये रखें

असत्य कहें,
असत्य करें
असत्य जिएँ -
सत्य के लिए
मर मिटने की आन नहीं छोड़ें

अन्त में,
प्राण तो
सभी छोड़ते हैं
व्यर्थ के लिए
हम
प्राण नहीं छोंड़ें

2. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 800 शब्दों में दीजिए : 16X4=64

(क) राष्ट्रीय जागरण के संदर्भ में मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की समीक्षा कीजिए।

(ख) 'राम की शक्तिपूजा' कविता का विश्लेषण कीजिए।

(ग) नागार्जुन की काव्य-संवेदना की प्रमुख पक्षों पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

(घ) अज्ञेय की कविता में व्यक्त द्वंद्व और आधुनिक बोध का मूल्यांकन कीजिए।